न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, पाली
पीठासीन अधिकारी :: श्री भागीरथ बिश्नोई, आर.ए.एस.
गुण्डा एक्ट प्र.सं. : 01/2017

सायल :–	**बनाम**	**गैरसायलः–**
सरकार जरिये जिला पुलिस अधीक्षक पाली		रतनलाल पुत्र सुखाराम जाति रेगर निवासी रेगरों का छोटा वास, जैतारण थाना जैतारण।

इस्तगासा अन्तर्गत धारा 2(ख)/3/7 राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975

उपस्थित :
सायल की ओर से सहायक लोक अभियोजक प्रथम श्रेणी पाली
श्री श्रवण गोयल, विद्वान अभिभाषक गैरसायल

:: निर्णय ::

दिनांक :– 20.03.2018

सायल जिला पुलिस अधीक्षक पाली की ओर से दिनांक 20.01.2017 को गैरसायल रतनलाल पुत्र सुखाराम जाति रेगर निवासी रेगरों का छोटा वास, जैतारण थाना जैतारण के विरूद्ध राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 के अन्तर्गत परिवाद/सूचना प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया कि गैरसायल थाना जैतारण, पाली का आपराधिक प्रवृति का व्यक्ति है जिसके खिलाफ वर्ष 2011 से इस्तगासा पेश करने की अवधि में 05 आपराधिक प्रकरण दर्ज हुए है। समस्त प्रकरणों में दोषसिद्ध घोषित किया जाकर सजा से दण्डित किया गया है। जिनका विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र. स.	थाना	मु.नं. /दिनांक	धारा	न्यायालय निर्णय
1	जैतारण	249/26.07.2011	147,148,149,323,325,307,458, भादस	जैर ट्रायल न्यायालय
2	जैतारण	367/17.10.2014	19/54 आब. अधि.	दि. 22.10.2016 को एसीजेएम कोर्ट जैतारण द्वारा मुल. को धारा 4 पी ओ एक्ट के तहत 01 वर्ष के लिए पाबन्द व 350 रूपये अभियोजन व्यय।
3	जैतारण	306/13.07.2015	19/54 आब. अधि.	दि. 27.07.2016 को एसीजेएम कोर्ट जैतारण द्वारा मुल. को धारा 4 पी ओ एक्ट के तहत 01 वर्ष के लिए पाबन्द व 1000 रूपये अभियोजन व्यय।
4	जैतारण	183/11.05.2016	19/54 आब. अधि.	जैर ट्रायल न्यायालय
5	जैतारण	275/14.07.2016	19/54 आब. अधि.	जैर ट्रायल न्यायालय

उपरोक्त दर्ज चालान सुदा प्रकरणों एवं रोजनामचा आम मे दर्ज रपटों से यह बखूबी साबित है कि गैरसायल रतनलाल पुत्र सुखाराम जाति रेगर निवासी रेगरों का छोटा वास, जैतारण थाना जैतारण । जुए के धंधे में लिप्त है, जो बावजूद सजा के भी निरन्तर अपराध प्रवृति में लिप्त है। जो आदतन जुहारी होने से आम जनता में भय व्याप्त है एवं लोग गैरसायल के भय से पुलिस को सूचना देने से कतराते है। निरन्तर अपराध करने से जनता

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट

में दुष्प्रभाव पडता है व पुलिस की छवि पर भी लोगो का अविश्वास प्रकट होने की पूर्ण संभावना बनी रहती है। अतः इस्तगासा बरखिलाफ गैरसायल के अन्तर्गत धारा 2 (ख)(iii)/3 राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि उक्त अपराधी को गुण्डा घोषित कर जिले से निष्कासन हेतु कानूनी कार्यवाही करावे।

सायल की ओर से पेश प्रकरण इस न्यायालय में पंजीबद्ध किया गया। उक्त परिवाद/सूचना पर यह न्यायालय प्रथम दृष्टया संतुष्ट होकर कि गैरसायल के विरूद्ध धारा 3 राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 के तहत कार्यवाही करने के पर्याप्त आधार पत्रावली पर मौजूद है। जिस पर गैरसायल के विरूद्ध लगाये गये आरोपो की सामान्य प्रकृति की सूचना हेतु धारा 3 राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 का नोटिस मय जिला पुलिस अधीक्षक पाली की सूचना/परिवाद की तामिल करवाई गई। गैरसायल ने उक्त परिवाद का कोई जवाब नहीं दिया तथा न ही कोई शहादत सूची प्रस्तुत की।

ए0पी0पी0 एवं विद्वान अभिभाषक गैरसायल की बहस सुनी गई। सरकारी पैरोकार ने अपनी बहस में कथन किया कि गैरसायल पुलिस थाना जैतारण का अव्वल दर्जे का बदमाश है, जिससे विरूद्ध विभिन्न प्रकरण न्यायालय में दर्ज है तथा गैरसायल को विभिन्न प्रकरणों में दोषसिद्ध घोषित किया गया है। गैरसायल का आम जनता में इतना भय है कि लोग इसके विरूद्ध सूचना देने में भी कतराते है, जिससे आम जनता में पुलिस की छवि पर दुष्प्रभाव पडता है। गैरसायल आदतन जुआरी है, जो बावजूद सजा के भी निरन्तर अपराध में लिप्त है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार करावें एवं गैरसायल को गुण्डा घोषित कराते हुए जिले से निष्कासन के आदेश पारित करावें।

वकील गैरसायल ने अपनी बहस में कथन किया कि गेरसायल को न्यायालय द्वारा परीविक्षा का लाभ दिया गया है तथा गेरसायल किसी भी रूप में अवैध शराब का धन्धा नहीं करता है। गैरसायल के विरूद्ध इस्तगासा दायर करने से छह माह पूर्व कोई आदेश पारित नहीं किया है। इस कारण गैरसायल गुण्डा एक्ट की परिधी में नहीं आता है। अतः कार्यवाही निरस्त करावे। विद्वान अभिभाषक अप्रार्थी ने अपनी बहस के समर्थन में आर0एल0डब्ल्यु0 2002 (4) पेज 2181 में प्रतिपादित न्यायिक सिद्धान्त की प्रति प्रस्तुत की।

बहस पर मनन किया तथा पत्रावली का अवलोकन, अनुशीलन एवं विश्लेषण किया। पत्रावली के संलग्न दस्तावेजात् के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि गैरसायल के विरूद्ध माननीय अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जैतारण द्वारा प्रकरण संख्या 03/2015 में पारित निर्णय दिनांक 22.10.2016 के तहत आदेश पारित करते हुए राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 के अपराध में दोषसिद्ध घोषित करते हुए 5000 रूपये की जमानत एवं 350 रूपये के अभियोजन व्यय जमा कराने हेतु आदेशित किया। इसी प्रकार माननीय अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जैतारण द्वारा प्रकरण संख्या 255/2015 में पारित निर्णय दिनांक 27.07.2016 के तहत आदेश पारित करते हुए राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 के अपराध में दोषसिद्ध घोषित करते हुए 5000 रूपये की जमानत एवं 350 रूपये के अभियोजन व्यय जमा कराने हेतु आदेशित किया। उपरोक्त प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 की धारा 2(ख)(v) के तहत गुण्डा की श्रेणी में आता है।

पत्रावली पर उपलब्ध रेकर्ड एवं दस्तावेजात् के आधार पर गैरसायल रतनलाल पुत्र सुखाराम जाति रेगर निवासी रेगरों का छोटा वास, जैतारण थाना जैतारण को

जिला मजिस्ट्रेट
पाली

गुण्डा घोषित किया जाता है तथा राजस्थान गुण्डा अधिनियम 1975 की धारा 3(3)(क) के तहत एक माह की अवधि के लिए पुलिस थाना जैतारण, पाली से निष्काषित कर पुलिस थाना शिवपुरा जिला पाली के नियन्त्रण में रखे जाने के आदेश दिये जाते है। गैरसायल आज की तारीख से 15 दिवस पश्चात अर्थात दिनांक 05.04.2018 से 30 दिन के लिये पुलिस थाना शिवपुरा जिला पाली में सप्ताह में एक बार अर्थात 30 दिन में चार बार अपनी उपस्थिति देगा तथा थानाधिकारी शिवपुरा जिला पाली गैरसायल की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे एवं रिपोर्ट इस न्यायालय को प्रेषित करेंगे। गैरसायल इस अवधि में नेकचलन रहेगा तथा सदाचार एवं शांति बनाये रखेगा। गैरसायल अपने पास किसी प्रकार का मादक पदार्थ हथियार/शस्त्र नही रखेगा तथा किसी आपराधिक गतिविधि में कर्ता/दुष्प्रेरक के रूप में भाग नही लेगा एवं न ही किसी आपराधिक कार्य में सहायता करेगा। गैरसायल रतनलाल पुत्र सुखाराम इस आदेश की पालना हेतु स्वयं का मुचलका 10 हजार रूपये एवं इसी कदर मौतबिर जमानत अधिनियम की धारा 7 के तहत पेश कर तस्दीक करायेगा। थानाधिकारी पुलिस थाना जैतारण, गैरसायल रतनलाल पुत्र सुखाराम को पुलिस अभिरक्षा में उक्त नियत तिथि को पुलिस थाना शिवपुरा जिला पाली की सीमा में पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। थानाधिकारी शिवपुरा उनके यहां गैर सायल की उपस्थिति की सूचना इस न्यायालय को भिजवाना सुनिश्चित करेंगे एवं थानाधिकारी जैतारण पाली अपने थाना क्षेत्र में गैरसायल के वापस लौटने की सूचना इस न्यायालय को प्रेषित करेंगे। निर्णय की प्रमाणित प्रतिलिपी तहरीर के साथ थानाधिकारी पुलिस थाना जैतारण एवं थानाधिकारी शिवपुरा पाली को भिजवाई जावे।

(भागीरथ बिश्नोई)
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रट, पाली

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
पाली

निर्णय आज दिनांक **20.03.2018** को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(भागीरथ बिश्नोई)
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रट, पाली

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
पाली